इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 732

29 नवम्बर, 2012 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के लाभ में गिरावट आना

732. श्री रामचन्द्र खूंटिआ:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इस तथ्य के बावजूद कि विभिन्न इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण में हजारों करोड़ रूपयों का निवेश किया गया है, भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) का लाभ घट गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) विभिन्न इस्पात संयंत्रों में कार्य करने वाले नियमित और ठेके पर रखे गए श्रमिकों और अधिकारियों की संयंत्र-वार संख्या क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): आदान सामग्री विशेषत: आयातित कोल की कीमत, वेतन एवं मजदूरी, उच्चतर ब्याज एवं मूल्यह्रास, ब्याज अर्जन में कमी के प्रतिकूल प्रभाव तथा खनिजों पर रॉयल्टी में बढ़ोतरी आदि मुख्य कारणों से स्टील अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड (सेल) का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अप्रैल से सितम्बर, 2012 के दौरान 1240 करोड़ रूपये रहा जो पिछले वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-सितम्बर 2011) की तुलना में 7.40 प्रतिशत कम है। सेल ने लगभग 72000 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से अपने इस्पात संयंत्रों/ईकाइयों का आधुनिकीकरण/विस्तार प्रारम्भ किया है। आधुनिकीकरण/विस्तार से लाभ इनके पूरे होने/कमीशिनंग होने के बाद प्राप्त होने शुरू होंगे।

(ग) सेल में कार्यरत नियमित कर्मचारियों (कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक) और संविदा मजदूरों की कुल संख्या का संयंत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

संयंत्र	नियमित कर्मचारी (दिनांक 1.11.2012 की स्थितिनुसार)		संविदा मजदूर (दिनांक 31.10.2012 की स्थितिनुसार)
	कार्यपालक	गैर-कार्यपालक	
भिलाई इस्पात संयंत्र	3767	25350	28377
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2211	15814	19029
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1645	10713	6900
बोकारो इस्पात संयंत्र	2708	16856	8973
ईस्को इस्पात संयंत्र	979	7577	13748
अलॉय इस्पात संयंत्र	290	1110	640
सेलम इस्पात संयंत्र	322	1019	203
विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील प्लांट	228	816	1077

****